# ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class -VI

Subject- Hindi Second Language

Topic- पाठ ‘जो देखकर भी नहीं देखते’

Done by –Anu Bala

# पाठ -5 'जो देखकर भी नहीं देखते' (निबंध)

# पाठ -5 ‘जो देखकर भी नहीं देखते’ (निबंध)

‘जो देखकर भी नहीं देखते’ निबंध की लेखिका हेलेन केलर हैं , जो स्वयं दृष्टिहीन हैं । अतः वह प्राकृतिक सुंदरता को देख नहीं सकतीं । उनका मानना है कि उनके पास आँखें नहीं हैं इसलिए देख नहीं पातीं , किंतु जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे भी कम ही देख पाते हैं क्योंकि वे अपनी दृष्टि का पूरा उपयोग नहीं करते। एक बार लेखिका की एक मित्र जंगल की सैर करने के बाद वापस लौटीं। तो लेखिका ने उनसे पूछा, आपने क्या-क्या देखा?

दृष्टिहीन- अंधा , blind
प्राकृतिक – कुदरती natural,
दृष्टि – देखने की ताकत
निगाह sight , glance
उपयोग – use , usefulness

## पाठ -5 'जो देखकर भी नहीं देखते' (निबंध)

कुछ खास तो नहीं उसका जवाब था । मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ क्योंकि मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हूँ। मेरा विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं ,वे बहुत कम देखते हैं।

अचरज – आश्चर्य surprise
आदी होना – आदत पड़ जाना -habitual
विश्वास – यकीन -faith

## पाठ -5 'जो देखकर भी नहीं देखते' (निबंध)

क्या यह संभव है कि भला कोई जंगल में घंटाभर घूमे और फिर भी कोई विशेष चीज ना देखें? मुझे जिसे कुछ भी दिखाई नहीं देता- सैकड़ो रोचक चीजें मिलती हैं, जिन्हें मैं छूकर पहचान लेती हूँ । मैं भोजपत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती हूँ । बसंत के दौरान में टहनियों में नयी कलियाँ खोजती हूँ । मुझे फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह को छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में अपार आनंद मिलता है ।

विशेष – खास special भोजपत्र – a species of birch tree ,चिकनी-smooth - glossy छाल- bark स्पर्श- छूना touch मखमली सतह – मुलायम परत soft surface बनावट- निर्माण ,structure अपार-बेहद , असीम incomparable

# पाठ -5 'जो देखकर भी नहीं देखते' (निबंध)

उन्हें टहनियों के स्पर्श से पक्षियों के मधुर स्वर का गुंजन सुनाई देने लगता है और अँगुलियों के बीच बहते हुए झरने के पानी का अहसास मिलने लगता है जिसे महसूस कर वे आनंदित हो उठती हैं।

कभी-कभी उनका दिल इन सब चीजों को देखने के लिए मचल उठता है। अगर मुझे इन चीजों को सिर्फ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध हो जाएगा परंतु जिन लोगों की आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं।

**स्पर्श करना – छूना** a touch ,
**मधुर स्वर –मीठी आवाज़** melodious voice
**गुंजन**-humming sound
**अहसास- अनुभव** feeling , experience
**मन मुग्ध होना – मन प्रसन्न होना** to be happy , fascinated

# पाठ -5 'जो देखकर भी नहीं देखते' (निबंध)

बदलते मौसम का समाँ उनके जीवन में खुशियाँ भर देता है।मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज की आस लगाए रहता है, जो उसके पास नहीं है । यह कितने दुख की बात है कि दृष्टि के आशीर्वाद को लोग एक साधारण- सी चीज़ समझते हैं, जबकि इस नियामत से जिंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है ।

**समाँ – समय, वातावरण** season , time period **क्षमताओं –गुण,ताकत** capacity **कदर करना-मान देना ,इज्ज़त करना** to show respect **हमेशा – सदा** always **आस लगाना-** to desire, to hope for, **आशीर्वाद**-blessing **साधारण- आम** common **नियामत-ईश्वरीय उपहार** God , s grace.

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र-1- हेलेन केलर किस आयु में अपनी देखने-सुनने की शक्ति खो चुकी थी ?

उ- डेढ़ वर्ष की आयु में |

प्र-2- किस वृक्ष की छाल खुरदरी होती है ?

उ- चीड़ के पेड़ की |

प्र-3- लेखिका की सेहली कहाँ से सैर करके लौटी थी ?

उ- जंगल से |

प्र-4- बसंत के मौसम में लेखिका क्या खोजती है ?

उ - बसंत के मौसम में लेखिका टहनियों पर नयी कलियाँ खोजती है।

प्र-5- विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक चीजों को छूने से लेखिका को कैसा महसूस होता है ?

उत्तर- विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक चीजों को छूने से लेखिका को प्रसन्नता महसूस होती है।

## लघु उत्तरीय प्रश्न -

1. 'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है ?
उत्तर:- प्रकृति के अनमोल खजाने को, उसके अनमोल सौंदर्य और उसमें होने वाले नित्य-प्रतिदिन बदलाव को 'प्रकृति का जादू' कहा गया है।

2 लेखिका को झरने का पानी कब आनंदित करता है?
उत्तर:-लेखिका जब झरने के पानी में उंगलियाँ डालकर उसके बहाव को महसूस करती है तब वह आनंदित हो उठती है |

3 हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती थी ?
उत्तर:- हेलेन केलर यह जानने के लिए अपने मित्रों की परीक्षा लेती थी कि उन्होंने जंगल में क्या-क्या देखा है।

4 मनुष्य का स्वभाव क्या है ?
उत्तर:- मनुष्य का यह स्वभाव है कि वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता | वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे क्या-क्या दिया है । वह उसका लाभ नहीं उठा पाता | वह केवल उस चीज के पीछे भागता है जो उसके पास नहीं है |

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न 1. 'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर:- जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' – हेलेन केलर को ऐसा इसलिए लगता था क्योंकि आँखों वाले लोग पूछने पर उनसे कहा करते थे कि उन्होंने कुछ खास नहीं देखा। प्रकृति की जो सुंदरता वह आँखें ना होते हुए भी महसूस कर लेती थी उसे उसके मित्र आँखें होते हुए भी महसूस नहीं कर पाते थे ।

प्रश्न 2 . 'कुछ खास तो नहीं'- हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ ?

उत्तर:- हेलेन केलर की प्रिय मित्र जब जंगल की सैर से वापस आई तो हेलेन ने उससे पूछा कि उसने जंगल में क्या देखा ? इस पर उसका जवाब था - कुछ खास तो नहीं । हेलेन केलर को यह सुनकर आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि वह इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी थी । लोग यह कहा करते थे कि उन्हें कुछ खास नज़र नहीं आया ।

प्रश्न 3 . हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं?

उत्तर:- हेलन भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती थी। वसंत के दौरान वे टहनियों में नयी कलियाँ, फूलों की पंखुडियों की मखमली सतह और उनकी घुमावदार बनावट को भी वे छूकर पहचान लेती थीं।